



हवामहल

बच्चों का झरोखा

20 अप्रैल 2024 | शनिवार | वर्ष : 4 | अंक : 208 |



3 + वर्ष के बच्चों के लिए | Infobells

बुद्धूराम आम खरीदने के लिए घर से निकल तो पड़े लेकिन रास्ते में उन्हें समझ में आया कि गर्मी इतनी है कि चल कर बाजार तक जाना मुश्किल हो रहा है। उन्हें उलटे पाँव घर लौटना पड़ता है। मारे गर्मी के उनका माथा गरम हो गया और उसे ठंडा करने के लिए उन्हें फिर से नहाना पड़ा। क्या बुद्धूराम आम ला पाएंगे ? कहानी सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



6 + वर्ष के बच्चों के लिए | BookBox

स्कूल में आलू और उसके दोस्त कचालू आज कुछ नया हंगामा करने वाले हैं। टीचर ने कहा है कि आज टॉय मेकिंग काम्पिटिशन होगा। अब क्लास की दो टीमों बनाई गई हैं। आलू कचालू झगड़ रहे हैं कि उनका आइडिया ही लिया जाए। सिर्फ 30 मिनट का समय है। अब क्या होगा आलू कचालू कुछ बना पाएंगे या झगड़ते ही रहेंगे ? कहानी सुनने और देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



6 + वर्ष के बच्चों के लिए | Room to Read

अगर हमारी पूँछ अभी भी होती तो क्या हम भी पूँछ हिला रहे होते ? क्या तुम्हें पता है कि अलग-अलग जानवर पूँछ क्यों हिलाते हैं ? सबके पूँछ हिलाने की वजह क्या एक सी है ? या अलग अलग ? आओ, हम खोजी कुत्ते के साथ मिलकर इस प्रश्न का उत्तर खोजें! खोजी कुत्ते को क्या क्या वजहें मिली, जानने के लिए ये कहानी पढ़ते हैं। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



6 + वर्ष के बच्चों के लिए | Arvindguptatoys

जब गर्मी आती है तो ऐसी और कूलर के साथ पंखे की भी पूछ परख बढ़ जाती है। तरह तरह के पंखे आपने देखे होंगे। बिजली वाले, बैटरी वाले, पैर वाले और हाथ वाले। लेकिन क्या हवा वाले पंखे देखे आपने। आज ऐसा ही हवा से चलने वाला एक दिलदार खिलौना पंखा बनाना सीखेंगे हम। हमें चाहिए कागज और स्ट्रॉ। बनाने की पूरी विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें



शिक्षकों के लिए | Pathshala

पढ़ना सीखना किस तरह होता है ? क्या सब एक ही तरह से पढ़ना सीखते हैं ? जो नहीं पढ़ पाते उनके साथ क्या होता है ? पढ़ना- सीखना जटिल क्यों बन जाता है; और बच्चों को पढ़ना सिखाने में क्या मददगार हो सकता है? यह लेख एक बच्चे के पढ़ने की प्रक्रिया को उदाहरणों को देते हुए इन प्रश्नों पर अपनी बात रखता है। पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



शिक्षकों के लिए | Pathshala

इस आलेख में बच्चों के जीवन में बाल साहित्य की अहमियत और बच्चों के बीच इसके अभाव की समस्या पर चर्चा की गई है। पाठ्यपुस्तकों की विषयवस्तु से संवैधानिक, मानवीय और सामाजिक मूल्यों के बारे में सोचने के मौके बहुत कम बन पाते हैं, जबकि सजीवता से चुनी गई बाल साहित्य की किताबों पर बच्चों से अर्थपूर्ण सवाल-जवाब करने से इन मूल्यों पर गहराई से सोचने-विचारने की सम्भावनाएँ ज़्यादा बनती हैं।



#सबपढ़ें

साथियों, हवामहल का 208वाँ अंक आपके साथ साझा किया जा रहा है। आशा है इसके पाठकों की अपेक्षाओं पर यह खरा उतरेगा। अगले सप्ताह प्रसारित होने वाले अंक के लिए आप सभी से निवेदन है कि अपनी रचनाएँ बायीं ओर दी गई सूझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक कर भेजें। धन्यवाद।

#सबबढ़ें



आज की ऑडियो कहानी सुनने के लिए ऑडियो आइकन पर क्लिक करें।



हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिए QR कोड SCAN करें।

